संख्या: 176 /2024/ 1109 /चार-2024

प्रेषक,

रघुनाथ प्रसाद वर्मा,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0,
जवाहर भवन,लखनऊ।

संस्कृति अनुभाग: लखनऊ: दिनांक: 23 मार्च, 2024

विषय: भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के परिसर में स्थित परीखाना की मरम्मत हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कुलसचिव, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के पत्र संख्या-1436/भा.सं.विवि-1(3)/2024, दिनांक 16.02.2024 एवं पत्र संख्या-1580ए/भा.सं.विवि-1(3)/2024, दिनांक 16 मार्च, 2024 का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसमें मेसर्स इंटैक, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित आगणन के आधार पर परियोजना की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2. अवगत कराना है कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के परिसर में स्थित परीखाना एक ऐतिहासिक व पुरातात्विक महत्व की नवाबकालीन इमारत है, जो 1848 से 1850 के मध्य बनी है जिसको कथक नृत्य की जन्मस्थली माना जाता है। इसके गौरवपूर्ण इतिहास के दृष्टिगत इसके पुरातात्विक महत्व को अनुरक्षित एवं संरक्षित कराये जाने हेतु भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के परिसर में स्थित परीखाना की मरम्मत हेतु मेसर्स इन्टैक, लखनऊ से प्राप्त आगणन धनराशि रू0 466.21 लाख के संबंध में दिनांक19.02.2024 को अप्रेजल समिति की बैठक में प्रस्तावित लागत रू0 466.21 लाख की संस्तुति की गयी।

विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित परीखाना की मरम्मत/अनुरक्षण कार्य हेतु उ0प्र0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि0 को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। नामित कार्यदायी संस्था प्रश्नगत ऐतिहासिक भवन की मरम्मत/अनुरक्षण हेतु 'अनुमन्य सेन्टेज चार्जेज' की धनराशि के अन्तर्गत INTACH के विशेषज्ञों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक परामर्श प्राप्त कर सकेगी।

3. उपर्युक्त के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के परिसर में स्थित परीखाना की मरम्मत कार्य हेतु अप्रेजल समिति द्वारा संस्तुत धनराशि रू0 466.21 लाख (रू0 चार करोड़ छियासठ लाख इक्कीस हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति चालू वित्तीय वर्ष 2023-2024 में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन निर्गत करने की श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं:-

(1) भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के परिसर में स्थित ऐतिहासिक परीखाना की मरम्मत/ अनुरक्षण हेतु मेसर्स इंटैक, नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रारम्भिक आगणन रू0 466.21 लाख पर अप्रेजल कमेटी की संस्तुति के क्रम में कार्यदायी संस्था उ0प्र0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि0 द्वारा उक्त आगणन के अनुसार कार्य पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(2) वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या- 2/2023/बी-1-227/दस-2023-231/2023 दिनांक 17 मार्च, 2023 में दिये गये दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(3) भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय/संस्कृति निदेशालय/कार्यदायी संस्था द्वारा प्रायोजना पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने के उपरान्त ही प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत की जायेगी।

(4) भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय/संस्कृति निदेशालय/कार्यदायी संस्था द्वारा नियमानुसार समस्त यथा आवश्यक वैधानिक अनापत्तियाँ एवं पर्यावरणीय क्लियरेन्स सक्षम स्तर से प्राप्त करके ही निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा।

(5) प्रायोजना का निर्माण कार्य सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात् ही प्रारम्भ कराया जायेगा तथा परियोजना का निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(6) प्रायोजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों की द्विरावृत्ति (डूप्लीकेसी) को रोकने की दृष्टि से प्रायोजना की स्वीकृति से पूर्व संस्कृति निदेशालय/ कार्यदायी संस्था द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उक्त कार्य न तो स्वीकृत है और न वर्तमान एवं भविष्य में किसी अन्य योजना / कार्यक्रम में अच्छादित किया जाना प्रस्तावित है।

(7) कार्यदायी संस्था द्वारा कार्य पूर्ण होने के सम्प्रेक्षित लेखे अवश्य उपलब्ध कराये जायेंगे।

(8) स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत प्राविधानों, समय- समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जायेगा।

(9) उक्त वित्तीय स्वीकृति भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर जारी की जा रही है, यदि मानक के संबंध में कोई सूचना गलत पायी जाती है तो इसका उत्तरदायित्व भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय का होगा।

(10) स्वीकृत धनराशि संस्कृति निदेशालय द्वारा कोषागार से आहरित कर कार्यदायी संस्था उ0प्र0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि0, लखनऊ को उपलब्ध करायी जायेगी।

4. उपर्युक्त स्वीकृति से संबंधित व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-92 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा, खेलकूद, कला तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय-04-कला तथा संस्कृति-800-अन्य व्यय-55-भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर के अनुरक्षण एवं संरक्षण संबंधी कार्य-24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

5. यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या- 2/2023/ बी-1-227/दस-2023-231/2023 दिनांक 17 मार्च, 2023 में प्राप्त दिशा निर्देशों के अन्तर्गत प्रशासकीय विभागों को प्रतिनिधानित अधिकारों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,
रघुनाथ प्रसाद वर्मा
अनु सचिव।

संख्या- 176 /2024/1109(1) /चार-2024 तद्दिनांक

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- महालेखाकार (लेखा व हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
2- महालेखाकार (लेखा - परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
3- जिलाधिकारी, लखनऊ।
4- कुलसचिव, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ।
5- निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0 प्रयागराज।
6- कोषाधिकारी, कोषागार, जवाहर भवन, लखनऊ ।
7- वित्त नियंत्रक, संस्कृति निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ ।
8- महानिदेशक, इन्टैक (INTACH), नई दिल्ली।
9- प्रबन्ध निदेशक, यू0पी0पी0सी0एल0, लखनऊ।
10- वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-7/ वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1, उ0प्र0 शासन।
11- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
रघुनाथ प्रसाद वर्मा
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।